www.printo.it/pediatric-rheumatology/IN_HI/intro

ड्रग थेरेपी

के संस्करण 2016

5. एजाथिओप्रनि

5.1 विवरण

एजाथिओप्रनि प्रतिरोध को कम करने वाली दवा है।
यह दवा DNA के उत्पादन को रोकती है जो की कोशिकाओं के विभाजन के लिए जरूरी होता है।

5.2 डोज / देने का तरीका

यह दवा खाने वाली गोली के रूप में २-३ मगि्रा / की ग्रा प्रतदिनि (अधिकतम १५ मगि्र प्रतदिनि) के डोज में दी जाती है।

5.3 बुरे प्रभाव

एजाथिओप्रनि साइक्लोफोस्फामाइड की तुलना में बेहतर है फरि भी इसके कुछ बुरे प्रभाव है जिनकी समय पर पूरी तरह से जाँच होना चाहिए। पेट संबंधी समस्यां (मुहँ के छाले, उलटी, दस्त तथा पेट दर्द) आम नहीं है। सफेद रक्त कणिकाओं की संख्या कम हो सकती है तथा यह डोज संबंधी होती है। लाल रक्त कणिकाओं तथा प्लेटलेट की संख्य पर अधिक प्रभाव नहीं होता है। लगभग १०% मरीजों में रक्त संबंधी समस्या (कणिकाओं की संख्या में कमी) का खतरा अधिक होता है जो एक जेनेटिक खराबी (थयोपुरनि मीथाईलट्रांसफेरेज\ TPMT की कमी) जेनेटिक पोलमिोर्फसिम के कारण होता है। इसकी जाँच इलाज शुरू करने से पहले की जा सकती है तथा ७-१० दिनि बाद खून की जाँच करना चाहिए और उसके बाद नियमति रूप से महीने में एक बार करना चाहिए।
लम्बे समय तक एजाथिओप्रनि के उपयोग से कैंसर का खतरा बताया गया है लेकनि अभी तक उसका कोई प्रमाण नहीं मिला है।
दूसरी दवाओं की तरह एजाथिओप्रनि से भी इन्फेक्शन (खास तोर पर हरपीज जोस्टर) का खतरा बढ़ जाता है।

5.4 मुख्य बाल गठिया संबंधी रोग में उपयोग
जुवेनाइल सिस्टेमिक लुपस एरिथिमतोसिस
कुछ पीडियाट्रिक सिस्टिमिक वास्कुलटिस

">http://labels.fda.gov http://labels.fda.gov